Adda247 GET IT ON Google Play

उत्तर प्रदेश LT ग्रेड परीक्षा, 2018
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र
(परीक्षा तिथि : 29 जुलाई, 2018)

1. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सुमेलित नहीं है?

(a) केन्स — 1. जेनरल थियोरी ऑफ इम्प्लॉइमेन्ट, इन्टरेस्ट एन्ड मनी
(b) हिक्स — 2. ए थियोरी ऑफ ट्रेड साइकिल
(c) मिल्टन फ्रीडमैन — 3. स्थायी आय परिकल्पना
(d) पैरेटो — 4. लाभ सिद्धान्त

Ans. (d) : कीन्स की पुस्तक 'जनरल थिअरी ऑफ इम्प्लॉइमेंट', इन्टरेस्ट एण्ड मनी, हिक्स की पुस्तक 'ए थिअरी ऑफ ट्रेड साइकिल' है तथा मिल्टन फ्रीडमैन ने 'स्थायी आय परिकल्पना सिद्धांत' का प्रतिपादन किया है। पैरेटो ने 'इष्टतम सिद्धांत' (Optimal Theory) का प्रतिपादन किया। जबकि लाभ का सिद्धांत प्रो. नाइट ने दिया है, उनके अनुसार उद्यमी को ऐसी अनिश्चितता झेलने का पुरस्कार ही लाभ के रूप में प्राप्त होता है।

2. ''आपूर्ति अपनी माँग का स्वयं सृजन करती है''- कथन निम्नलिखित अर्थशास्त्रियों में से किस एक से सम्बद्ध है?

(a) एडम स्मिथ (b) जे0बी0 से
(c) मार्शल (d) केन्स

Ans. (b) : ''आपूर्ति अपनी माँग का स्वयं सृजन करती है।'' यह कथन 'जे.बी.से' का है। इसका आशय यह है कि कोई भी उत्पादक जो बाजार में वस्तुओं को लाता है, वह केवल उन्हें अन्य वस्तुओं के बदले बदलने के लिए ही लाता है। 'से' इस मत के थे कि उत्पादन की कोई क्रिया बेरोजगार श्रमिकों तथा अन्य साधनों को रोजगार देगी, इसके फलस्वरुप अतिरिक्त उत्पादन के मूल्य के बराबर साधनों की आय का सृजन हो जाएगा। इस प्रकार उत्पादन की पूर्ति में वृद्धि के साथ ही साथ माँग में वृद्धि होगी। जे0बी0 से के अनुसार जिस अनुपात में पूर्ति बढ़ती या घटती है उसी अनुपात में ही उत्पादन के साधनों की क्रय शक्ति और माँग भी बढ़ती या घटती है। इस प्रकार माँग और पूर्ति सदैव एक दूसरे के बराबर होते हैं।

3. एक शुद्ध सार्वजनिक वस्तु की सीमान्त लागत क्या होगी?

(a) शून्य (b) धनात्मक
(c) ऋणात्मक (d) इकाई के बराबर

Ans. (a) : शुद्ध सार्वजनिक वस्तुयें वे वस्तुएं हैं, जिनके उत्पादन से बाह्य लाभ का सृजन होता है और इस प्रकार के लाभ का उपभोग वे भी करते है, जिन्होंने इसके लिए भुगतान नहीं किया है अर्थात् इनका लाभ अविभाज्य होता है तथा सम्पूर्ण समाज को प्राप्त होता है। शुद्ध सार्वजनिक वस्तु की दो महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं-
1. प्रतिद्वन्द्विता की अनुपस्थिति 2. अपवर्जन का अभाव

4. यदि उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) = 0.75 हो, तो निवेश गुणक का मान होगा?

(a) $\frac{4}{3}$ (b) 4
(c) $\frac{1}{4}$ (d) $\frac{3}{4}$

Ans. (b) : निवेश गुणक $(k) = \frac{1}{1-MPC}$

प्रश्नानुसार, MPC = 0.75

तो, $k = \frac{1}{1-0.75}$, $= \frac{1}{0.25}$

$= \frac{100}{25}$, $\boxed{K = 4}$

5. केन्स के अनुसार, निवेश-माँग निम्नलिखित में से किन दो कारकों पर निर्भर करती है?
1. उपभोक्ता की आय
2. ब्याज की दर
3. उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति
4. पूँजी की सीमान्त दक्षता
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (b) : कीन्स के अनुसार पूंजी की सीमांत दक्षता तथा ब्याज की दर विनियोग के दो महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है। इस कारण कोई भी उद्यमी विनियोग करने से पहले इसकी तुलना करता है। इस प्रकार उद्यमी उस स्थिति में विनियोग करेगा, जब पूंजी की सीमांत उत्पादकता ब्याज की दर से अधिक हो अर्थात MEC > r। यदि MEC < r होगा तो उद्यमी विनियोग नहीं करेगा। अतः स्पष्ट है कि विनियोग उस स्तर पर संतुलन में होगा, जहां पर ब्याज की दर (r) तथा पूंजी की सीमांत उत्पादकता समान हो अर्थात, (MEC = r)।

6. यदि आपूर्ति वक्र $S = 2p^2-10$ हो तो $p = 10$ इकाई हेतु आपूर्ति की लोच क्या होगी?

(a) इकाई से कम (b) इकाई के बराबर
(c) इकाई से अधिक (d) अनन्त

Ans. (c) : प्रश्नानुसार,

$S = 2P^2-10$

$P = 10$

अतः, $\frac{dS}{dP} = 4P - 0$

अब, $S = 2(10)^2-10$

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

80,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

20,000+ Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

तो, $= 2 \times 100 - 10 = 200 - 10$

$S = 190$

आपूर्ति की लोच $= \frac{dS}{dP} \cdot \frac{P}{S}$

$= \left(4P.\frac{10}{190}\right)$

$= \left(4 \times 10.\frac{10}{190}\right), = \left(40.\frac{10}{190}\right)$

$e_S = 2.2$

अतः आपूर्ति की लोच इकाई से अधिक होगी।

7. माँग फलन है कीमत का एकदिश-

(a) बढ़ता हुआ फलन

(b) घटता हुआ फलन

(c) न ही बढ़ता हुआ और न ही घटता हुआ फलन

(d) स्थिर फलन

Ans. (b) : किसी वस्तु की माँग एवं उसको प्रभावित करने वाले कारकों के बीच फलनात्मक सम्बन्ध व्यक्त करने वाले समीकरण को माँग फलन कहते है। जैसे दिए हुए चरों में परिवर्तन करें तो इसका प्रभाव x वस्तु की माँग पर क्या प्रभाव होगा।

$$Dx = f(P_x, P_0, Y, T)$$

माँग फलन कीमत का एकदिश घटता हुआ फलन है, क्योंकि किसी वस्तु की माँग एवं कीमत में विपरीत संबंध होता है।

8. यदि माँग $x = \frac{100}{p}$ वक्र हो, तो $p = 10$ इकाई हेतु माँग की लोच क्या होगी?

(a) आधी (b) एक

(c) शून्य (d) अनन्त

Ans. (b) प्रश्नानुसार, $x = \frac{100}{P}$, $P = 10$

तो, $x = \frac{100}{10}$

$x = 10$

माँग की लोच $(e_d) = -\frac{dQ}{dp} \cdot \frac{P}{Q}$, $x = 100P^{-1}$

या, $(e_d) = -\left(\frac{100}{P^2} \cdot \frac{P}{Q}\right)$, $\frac{dx}{dP} = 100P^{-2}$

$= \frac{100}{10^2} \cdot \frac{10}{10}$, $= -\frac{100}{P^2}$

$= \frac{100}{100} \times \frac{10}{10}$

$e_d = 1$

9. सामान्य आपूर्ति वक्र की ढाल होती है-

(a) धनात्मक (b) ऋणात्मक

(c) शून्य (d) अनन्त

Ans. (a) : आपूर्ति से आशय किसी वस्तु की उस मात्रा से है, जिसे कोई विक्रेता एक निश्चित कीमत तथा निश्चित समय पर बेचने को तैयार रहता है। पूर्ति का विस्तार तथा संकुचन एक ही पूर्ति वक्र पर होता है जबकि पूर्ति की वृद्धि एवं कमी में पूर्ति वक्र बदल जाते हैं।

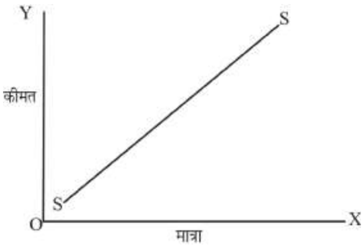

10. यदि सीमान्त आय 15 इकाई हो तथा औसत आय 20 इकाई हो, तो कीमत के सापेक्ष माँग की लोच क्या होगी?

(a) एक (b) एक से अधिक

(c) एक से कम (d) अनन्त

Ans. (b) : प्रश्नानुसार, $MR = 15$

$AR = 20$

तो,

$e_p = \frac{AR}{AR - MR}$

$= \frac{20}{20 - 15}$

$e_p = 4$

अतः कीमत के सापेक्ष माँग की लोच इकाई से अधिक होगी।

11. उपभोक्ता किस वस्तु की कीमत घटने पर उपभोग घटा देता है?

(a) श्रेष्ठ वस्तु (b) निम्न वस्तु

(c) गिफिन वस्तु (d) उदासीन वस्तु

Ans. (c) : गिफेन वस्तु एक प्रकार की विशिष्ट हीन वस्तु होती है, जिनके सम्बन्ध में उपभोक्ता उनकी कीमत गिरने पर उनके उपभोग को घटा देता है तथा कीमत बढ़ने पर उनके उपभोग को बढ़ा देता है अर्थात् गिफेन पदार्थ की माँग-मात्रा उसकी कीमत में परिवर्तन की दिशा में ही बदलती है। गिफेन वस्तुओं की अवस्था में ऋणात्मक आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक शक्तिशाली होता है।

12. उपभोक्ता के अनधिमान वक्र की ढाल दर्शाती है-

(a) वस्तुओं के कीमत अनुपात को

(b) वस्तुओं के प्रतिस्थापन की सीमान्त दर को

(c) साधन प्रतिस्थापन को

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : उपभोक्ता के अनधिमान वक्र की ढाल पर वस्तुओं की प्रतिस्थापन की सीमांत दर (MRS_{xy}) सदैव ऋणात्मक होती है क्योंकि प्रत्येक उपभोग के बाद अतिरिक्त इकाई घटता हुआ फलन प्रदान करती है तथा वस्तुयें एक-दूसरे की पूर्ण स्थानापन्न होती है।

$$MRS_{xy} = -\frac{\Delta y}{\Delta x}$$

जैसा कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट है-

Adda247
GET IT ON Google Play

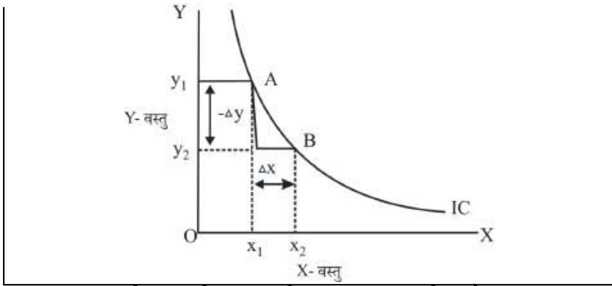

13. उद्घाटित अधिमान्य सिद्धान्त आधारित है-

(a) गणनावाचक उपयोगिता पर
(b) क्रमवाचक उपयोगिता पर
(c) बाजार के व्यवहार पर
(d) आचरणवादी क्रमवाचक उपयोगिता पर

Ans. (d) : उपभोक्ता के व्यवहार के सम्बन्ध में व्यक्त अधिमान (Revealed Preference Theory) सिद्धांत का प्रतिपादन प्रो0 सेमुल्सन द्वारा किया गया। इस सिद्धांत की निम्न मान्यतायें है-

1. उपभोक्ता विकेकपूर्ण है।
2. सकर्मकता
3. सबल क्रमबद्धता की मान्यता
4. व्यक्त प्राथमिकता की अवधारणा (Revealed Preferance axiom)
5. उपभोक्ता की रुचि दी हुई है।
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा (Consitency Postulate)
7. माँग की धनात्मक आय लोच

14. उत्पादन के कारक की सकल उत्पादकता अधिकतम तब होगी, जब

(a) कारक की सीमान्त उत्पादकता धनात्मक हो
(b) कारक की सीमान्त उत्पादकता ऋणात्मक हो
(c) कारक की सीमान्त उत्पादकता शून्य हो
(d) कारक की सीमान्त उत्पादकता स्थिर हो

Ans. (c) : उत्पादन के कारक की सकल उत्पादकता अधिकतम तब होगी, जब कारक की सीमांत उत्पादकता शून्य हो। जैसा कि निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट किया गया है, जहाँ TP अधिकतम है, उस स्थिति में MP शून्य है।

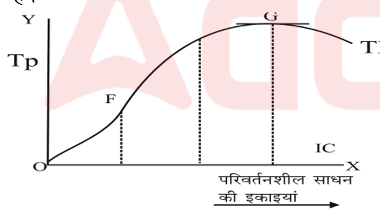

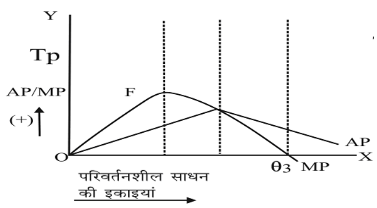

15. यदि माँग की लोच का मान 3 हो, तो औसत आय (AR) तथा सीमान्त आय (MR) में सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे प्रदर्शित होगा?

(a) $AR = \frac{1}{3}MR$ (b) $MR = \frac{2}{3}AR$
(c) $MR = \frac{1}{3}AR$ (d) $AR = \frac{2}{3}MR$

Ans. (b) : $e_p = 3$

तो, $MR = AR\left(1-\frac{1}{e}\right)$, $MR = AR\left(1-\frac{1}{3}\right)$

$MR = AR\left(\frac{3-1}{3}\right)$

$MR = AR\left(\frac{2}{3}\right)$

16. रैखिक समाँग उत्पादन फलन से किस प्रकार के पैमाने का प्रतिफल प्राप्त होता है?

(a) बढ़ते हुए पैमाने का प्रतिफल
(b) स्थिर पैमाने का प्रतिफल
(c) ह्रासमान पैमाने का प्रतिफल
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : कॉब-डगलस उत्पादन फलन के अनुसार रैखिक समाँग उत्पादन फलन से पैमाने का स्थिर प्रतिफल प्राप्त होता है अर्थात् श्रम व पूंजी को किसी अनुपात में बढ़ाने से वस्तु का उत्पादन भी उसी अनुपात से बढ़ता है।

17. समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप है-

(a) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(b) उत्पादक मूल्य सूचकांक
(c) सकल राष्ट्रीय उत्पाद अपस्फीतक
(d) थोक मूल्य सूचकांक

Ans. (c) : समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप सकल राष्ट्रीय उत्पाद अवस्फीतिकारक (GNP Deflator) है क्योंकि इसमें सभी वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्यों में परिवर्तन को लिया जाता है। जब सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना बाजार कीमतों अर्थात् प्रचलित मूल्यों पर की जाती है तो इसे बाजार कीमत पर मौद्रिक जी.एन.पी. कहते हैं और जब सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना आधार वर्ष के मूल्यों पर की जाती है तो इसे स्थिर मूल्यों पर जी.एन.पी. अर्थात 'वास्तविक जी.एन.पी' कहते हैं। मौद्रिक GNP में वृद्धि तथा वास्तविक GNP की वृद्धि का अंतर ही GNP की कीमत में वृद्धि है और इसे ही 'GNP Deflator' कहते है। अर्थात्

$$GNP_D = \frac{\text{चालू कीमतों पर जी.एन.पी}}{\text{स्थिर कीमतों पर जी.एन.पी}}$$

18. पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल नियम किस काल में लागू होता है?

(a) बाजार काल (b) अल्प काल
(c) दीर्घ काल (d) सुदीर्घ काल

Ans. (c) : दीर्घकाल में सभी साधन परिवर्तनीय होते हैं। सभी साधनों की वृद्धि होने पर 'उत्पादन का पैमाना' ही बड़ा हो जाता है और इसलिए इस स्थिति को 'पैमाने का प्रतिफल' कहते है अर्थात् प्रतिफल या उत्पादन में वृद्धि जो पैमाने में वृद्धि के परिणामस्वरूप हो। पैमाने के प्रतिफल के तीन रूप होते हैं-

1. पैमाने का वर्धमान प्रतिफल-जिस अनुपात में आगतों में वृद्धि की जाती है उससे अधिक अनुपात में निर्गत में वृद्धि होती है।

Adda247
GET IT ON Google Play

2. पैमाने का सम प्रतिफल-जिस अनुपात में आगत में वृद्धि होती है, उसी अनुपात में निर्गत में वृद्धि होती है।
3. पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल-जिस अनुपात में आगत में वृद्धि होती है, उससे कम अनुपात में निर्गत में वृद्धि होती है।

19. यदि सकल लागत फलन

$$c=\frac{1}{2}x^3-4x^2+100x+108$$

हो, तो x = 9 इकाई हेतु औसत स्थिर लागत क्या होगी?

(a) 10 इकाई (b) 12 इकाई
(c) 100 इकाई (d) 108 इकाई

Ans. (b) : TC = TVC+TFC

$$AFC=\frac{TFC}{Q}$$

प्रश्नानुसार, $TC=\frac{1}{2}x^3-4x^2+100x+108$

TFC = 108
x = 9

अतः $AFC=\frac{TFC}{X}=\frac{108}{9}$

$\boxed{AFC = 12}$

20. एक औसत स्थिर लागत वक्र की आकृति होती है-

(a) सरल रेखा (b) परवलय
(c) आयताकार अतिपरवलय (d) वृत्त

Ans. (c) : यदि कुल स्थिर लागत को उत्पादित इकाइयों से भाग दे दें तो प्रति इकाई औसत स्थिर लागत प्राप्त हो जाता है।

$$\boxed{AFC=\frac{TFC}{Q}}$$

जैसे-जैसे उत्पादन की मात्रा बढ़ती जाती है, उस पर लगने वाली प्रति इकाई औसत स्थिर लागत क्रमशः घटती जाती है। AFC -वक्र दाहिनी ओर नीचे गिरता हुआ होता है, पर कभी आधार वक्र को स्पर्श नहीं करेगा। AFC- वक्र का आकार आयताकार अतिपरवलय (Rectangular hyperbola) होता है, जिसके प्रत्येक बिन्दु पर कुल स्थिर लागत (Q×AFC = TFC) स्थिर बनी रहेगी।

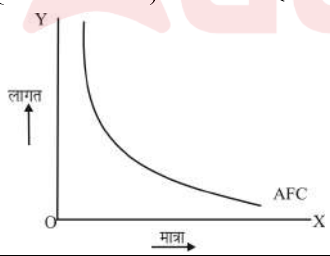

21. एक सकल लागत वक्र की सामान्य आकृति होती है-

(a) रैखिक (b) द्विघातीय
(c) त्रिघातीय वक्र (d) n^{th} कोटि का बहुपदीय

Ans. (d) : एक सकल लागत वक्र की सामान्य आकृति n^{th} कोटि का बहुपदीय होती है।

22. माँग की लोच (e), उत्पाद की कीमत (A) तथा सीमान्त आय (M) के मध्य निम्नलिखित में से कौन-सा सही सम्बन्ध है?

(a) $M=A\left(e+\frac{1}{e}\right)$ (b) $M=A\left(\frac{e}{e-1}\right)$
(c) $M=A\left(\frac{1-e}{e}\right)$ (d) $M=A\left(\frac{e-1}{e}\right)$

Ans. (d) : औसत आय (AR), सीमांत आय (MR) तथा माँग की मूल्य लोच (e_p) के बीच सम्बन्ध को निम्न सूत्र से स्पष्ट कर सकते है-

$$MR=AR\left(1-\frac{1}{e}\right)$$

या $$MR=AR\left(\frac{e-1}{e}\right)$$

⇒ यदि $e=1$ है तो MR शून्य होगा।
⇒ यदि $e>1$ है तो MR धनात्मक होगा।
⇒ यदि $e<1$ है तो MR ऋणात्मक होगा।

23. शुद्ध एकाधिकारी निर्धारण कर सकता है-

(a) कीमत
(b) उत्पाद-मात्रा
(c) या तो कीमत या उत्पाद-मात्रा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : पूर्ण प्रतियोगिता फर्म की तरह ही एकाधिकारी भी अपने लाभ को अधिकतम करने का प्रयास करता है। एकाधिकारी का लाभ अधिकतम तब होता है, जब-
(1) MC = MR हो
(2) संतुलन बिन्दु पर सीमांत लागत (MC) वक्र का ढाल सीमांत आय (MR) वक्र की ढाल से अधिक हो।
एकाधिकारी का माँग वक्र और AR वक्र एक ही होता है, जो ऋणात्मक ढाल वाला होता है तथा MR सदैव कीमत से कम होती है। इसीलिए एकाधिकारी एक साथ कीमत अथवा पूर्ति दोनों को नियंत्रित नहीं कर सकता। वह या तो कीमत को नियंत्रित करेगा या उत्पादन को।

24. पूर्ण प्रतियोगिता में बाजार कीमत का निर्धारण होता है-

(a) लाभ अधिकतम होने की शर्त MC= MR से
(b) माँग और पूर्ति की दशाओं की व्यवहार प्रणाली से
(c) सरकार द्वारा
(d) औसत लागत से

Ans. (b) : पूर्णप्रतियोगिता में बाजार कीमत का निर्धारण उद्योग की माँग एवं पूर्ति की परस्पर क्रिया द्वारा निर्धारित होती है। उद्योग की कुल माँग एवं कुल पूर्ति जहां एक-दूसरे के बराबर होती है, वहीं कीमत निर्धारित होती है। माँग एवं पूर्ति की वह प्रक्रिया स्वतः समायोजन की प्रक्रिया है, जिसमें विचलन होने पर माँग एवं पूर्ति की शक्तियां स्वतः क्रियाशील हो जाती है और विचलन को समाप्त कर कीमत को पुनः संतुलन कीमत पर ले आती है।

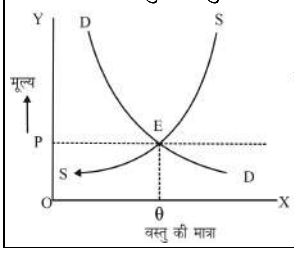

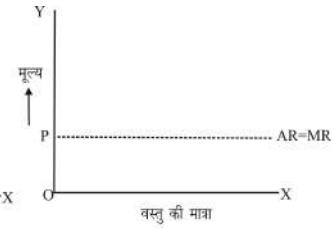

25. कीमत विभेद तब लाभ देता है जब दोनों बाजारों में माँग की कीमत लोच-

(a) भिन्न हो (b) समान हो
(c) सदैव इकाई के बराबर हो (d) अनन्त हो

Ans. (a) : एक ही नियंत्रण के अन्तर्गत उत्पादित एक ही वस्तु को अलग-2 क्रेताओं को अलग-अलग मूल्यों पर बेचने की क्रिया, कीमत विभेद कहलाती है। कीमत विभेद संभव होने के लिए निम्न शर्तें आवश्यक हैं-
1. विभिन्न बाजारों में माँग की लोच भिन्न-2 हो।
2. बाजारों का पृथक-2 तथा दूर होना।

26. एकाधिकारी प्रतियोगिता में-

(a) एकल फर्म निकट स्थानापन्नों का उत्पादन करती है
(b) अनेक फर्में निकट स्थानापन्नों का उत्पादन करती हैं
(c) अनेक फर्में विभेदित उत्पादों का उत्पादन करती हैं
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b/c) : चैम्बरलिन की एकाधिकारिक प्रतियोगिता की धारणा का वस्तु विभेद सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, क्योंकि वस्तु विभेद के कारण ही एक साथ प्रतियोगिता तथा एकाधिकार के गुण संयुक्त होते है। विभिन्न फर्मों द्वारा उत्पादित की जा रही वस्तु बिल्कुल एक जैसी नहीं होती बल्कि उनमें कुछ अन्तर पाया जाता है अर्थात् यहां विभेदीकरण का अर्थ विभिन्न उत्पादों का बिल्कुल भिन्न होना नहीं होता बल्कि उनमें केवल थोड़ा सा ही अन्तर पाया जाता है और वे वास्तव में एक-दूसरे के निकट स्थानापन्न होते है। इसलिए उनमें माँग की प्रति-लोच अधिक होती है, परन्तु अनन्त नहीं। इस प्रकार कह सकते हैं कि चैम्बरलिन के सिद्धांत में विभिन्न क्रेताओं के उत्पाद परस्पर विभेदित होते हैं, पर वे एक-दूसरे के उत्पाद के नजदीकी स्थानापन्न होते है।

27. निम्नलिखित मे से कौन-सा एक ब्याज की दर के निर्धारण के लिए केन्स द्वारा वर्णित कुल मुद्रा की माँग *(L)* को व्यक्ति करता है?

(a) $L = L_1 (r, Y)$ (b) $L = L_2 (r, Y)$
(c) $L = L_1 (Y) + L_2(r)$ (d) $L = L_2 (Y) + L_2(r)$

Ans. (c) : कीन्स के अनुसार मुद्रा की माँग से आशय मुद्रा की उस राशि से है, जिसे लोग अपने पास नकद अथवा तरल रूप में रखना चाहते है। कीन्स कहते है कि कोई व्यक्ति मुद्रा की माँग तीन उद्देश्यों के लिए करता है-
1. लेन-देन उद्देश्य 2. सतर्कता उद्देश्य 3. सट्टा उद्देश्य
लेन-देन तथा सतर्कता उद्देश्य हेतु मुद्रा की माँग अपेक्षाकृत ब्याज निरपेक्ष होता है, परन्तु अत्यंत आय लोचात्मक होती है अर्थात्-

$$L_1 = f(y)$$

सट्टा उद्देश्य हेतु मुद्रा की माँग ब्याज की दर का फलन होती है अर्थात $\boxed{L_2 = f(r)}$

इस प्रकार मुद्रा की कुल माँग होगी अर्थात् $\boxed{L = L_1 (y) + L_2(r)}$ है।

मुद्रा के कुल माँग या कुल तरलता फलन को इस प्रकार भी व्यक्त कर सकते है-

$$\boxed{L = F (Y, r)}$$

28. ''लगान एक विभेदात्मक आधिक्य है।'' यह धारणा किसकी है?

(a) रिकार्डो (b) मार्शल
(c) पीगू (d) एडम स्मिथ

Ans. (a) : ''लगान एक विभेदात्मक आधिक्य है।'' यह धारणा रिकार्डो की है। रिकार्डो कहते है कि लगान वह विभेदक आधिक्य है जो अधिक उपजाऊ भूमियों को कम उपजाऊ भूमियों की तुलना में प्राप्त होता है। इस प्रकार लगान एक भेदात्मक लगान है, जो भूमि की 'उर्वरता में अन्तर' अथवा 'स्थिति में अंतर' अथवा दोनों कारणों से हो सकता है।
आर्थिक लगान = अधिसीमांत भूमियों की वास्तविक उपज-सीमांत भूमि की उपज

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए-

सूची- I	सूची-II
A. तरलता जाल	1. मॉर्शल
B. जोड़ की समस्या	2. चैम्बरलिन
C. समूह सन्तुलन	3. यूलर प्रमेय
D. आभासी लगान	4. कीन्स

Code/कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	1	2	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	2	4	1	3

Ans. (a) :

(A) तरलता जाल	4. कीन्स
(B) जोड़ की समस्या	3. यूलर प्रमेय
(C) समूह संतुलन	2. चैम्बरलिन
(D) आभासी लगान	1. मार्शल

30. यदि मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त के फिशर के समीकरण में मुद्रा पूर्ति को दो गुना कर दें, तो कीमत स्तर हो जाएगा-

(a) आधा (b) दो गुना
(c) अपरिवर्तित (d) केवल कुछ अधिक

Ans. (b) : यदि मुद्रा के परिमाण सिद्धांत के फिशर के समीकरण में मुद्रा पूर्ति को दोगुना कर दें तो कीमत स्तर दोगुना हो जाएगा। जबकि मुद्रा का मूल्य आधा हो जायेगा स्पष्टतः मुद्रा की मात्रा तथा मुद्रा के मूल्य में विपरीत सम्बन्ध होगा, जबकि कीमत स्तर में सीधा सम्बन्ध होगा।

31. केन्स के तरलता पसंदगी ब्याज के सिद्धान्त में तरलता जाल दर्शाता है-

(a) पूर्णतया लोचदार मुद्रा की माँग
(b) पूर्णतया बेलोचदान मुद्रा की माँग
(c) मुद्रा की शून्य पूर्ति
(d) मुद्रा की बेलोचपूर्ण पूर्ति

Ans. (a) : ब्याज की एक निश्चित नीची दर पर मुद्रा की माँग पूर्णतया लोचदार हो जाती है और इस स्थिति में LP- वक्र पूर्णतया लोचदार हो जाता है, जिसे तरलता जाल कहते है। इस स्थिति से ब्याज की दर और नीचे नहीं गिर सकती है और लोग बॉण्ड की अपेक्षा तरल मुद्रा को अधिक रखते है। तरलता जाल की स्थिति में सामान्य मजदूरी कटौती नीति भी प्रभावपूर्ण नहीं रह पाती है।

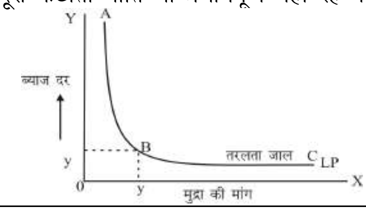

32. किसने कहा कि ''मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और मुद्रासंकुचन अव्यावहारिक है-दोनों में से बाद वाला खराब है''?

(a) मॉर्शल (b) रॉबर्टसन

(c) क्राउथर (d) जे0एम0केन्स

Ans. (d) : जे.एम. कीन्स ने कहा कि ''मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और मुद्रा संकुचन अव्यावहारिक है-दोनों में से बाद वाला खराब है।''

33. निम्नलिखित में से कौन-सा एक, केन्द्रीय बैंक द्वारा व्यवहार में लायी गई, खुले बाजार की क्रियाओं का उदाहरण है?

(a) सुनारों को स्वर्ण की बिक्री

(b) व्यापारिक बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों को सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री

(c) विदेशी विनिमय बैंकों को डॉलर की बिक्री

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : खुले बाजार की क्रियाओं का तात्पर्य देश के केन्द्रीय बैंक द्वारा विभिन्न प्रकार की परिसंपत्तियों जैसे-स्वर्ण, विदेशी मुद्रा, सरकारी प्रतिभूतियों एवं निजी प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय से है।

RBI → तरलता में वृद्धि करने हेतु → प्रतिभूति खरीदेगी
RBI → तरलता में कमी करने हेतु → प्रतिभूति बेचेगी

RBI का यह कार्य मौद्रिक नीति के अंतर्गत आता है।

34. लचीली विनिमय दर का विचार आधारित है-

(a) माँग के सिद्धान्त पर

(b) पूर्ति के सिद्धान्त पर

(c) माँग तथा पूर्ति दोनों सिद्धान्त पर

(d) न तो माँग सिद्धान्त पर और न ही पूत्रि सिद्धान्त पर

Ans. (c) : लचीली विनिमय दर (Flexible Exchange rate) का विचार बाजार की माँग एवं पूर्ति के सिद्धांतों पर आधारित है अर्थात् इसका निर्धारण बाजार की शक्तियां करती है। इसमें मौद्रिक अधिकारी द्वारा विनिमय दर को प्रभावित करने हेतु हस्तक्षेप नहीं किया जाता है। यदि किसी करेंसी की आपूर्ति माँग से अधिक है तो विनिमय दर गिर जाएगी तथा इसके विपरीत यदि करेंसी की माँग पूर्ति से अधिक है तो उसकी विनिमय दर बढ़ेगी।

35. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अन्तरक्षेत्रीय व्यापार की एक विशेष अवस्था है, क्योंकि-

(a) सभी तरह के व्यापार पर तुलनात्मक लागत सिद्धान्त क्रियाशील होता है

(b) कारकों की अगतिशीलता अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेष विशेषता नहीं होती है

(c) सामान्य संतुलन का मूल्य सिद्धान्त भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर क्रियाशील होता है

(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अन्तरक्षेत्रीय व्यापार की एक विशेष अवस्था है, क्योंकि-

1. सभी तरह के व्यापार पर तुलनात्मक लागत सिद्धांत क्रियाशील होता है।
2. कारकों की अगतिशीलता अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेष विशेषता नहीं होती है।
3 सामान्य संतुलन का मूल्य सिद्धान्त भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर क्रियाशील होता है।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हैक्सचर-ओहलिन के व्यापार सिद्धान्त के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का कारण है?

(a) लागतों में अन्तर

(b) आवश्यकताओं में अन्तर

(c) करेंसी प्रणालियों में अन्तर

(d) साधन विन्यासों में अन्तर

Ans. (d) : साधनों की उपलब्धता, प्रौद्योगिकी व रुचियां इत्यादि व्यापार सिद्धांत के प्रावैगिक कारकों को संदर्भित करता है।

साधन लागत के रूप में संपन्नता–

$$\left(\frac{P_C}{P_L}\right)_A < \left(\frac{P_C}{P_L}\right)_B$$

साधन के भौतिक मात्रा के रूप में संम्पन्नता

$$\left(\frac{K}{L}\right)_A < \left(\frac{K}{L}\right)_B$$

जहाँ,

P_C = श्रम शक्ति की पूर्ति

P_L = श्रम की कीमत

A = पूँजी गहन वस्तु

37. निम्नलिखित में से कौन-सा कारक व्यापार सिद्धान्त के प्रावैगिक कारकों को संदर्भित करता है?

(a) साधनों की उपलब्धता (b) प्रौद्योगिकी

(c) रुचियाँ (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : साधनों की उपलब्धता, प्रौद्योगिकी, रुचियाँ व्यापार सिद्धान्त के प्रावैगिक कारकों को संदर्भित करते हैं।

38. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान नहीं है?

(a) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

(b) विश्व बैंक

(c) स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया

(d) एशियन विकास बैंक

Ans. (c) : अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF),विश्व बैंक (World Bank) तथा एशियन विकास बैंक (ADB) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है, जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) भारत का सबसे

बड़ा राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक बैंक है, जो गोरवाला समिति की अनुशंसा पर 1 जुलाई, 1955 को इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया के स्थान पर अस्तित्व में आया।

⇒ IMF -1945 ⇒ विश्व बैंक-1945 ⇒ ADB-1966

39. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सुमेलित नहीं है?

(a) आइ. बी.आर.डी. : 1944

(b) आइ. एम.एफ. : 1947

(c) आइ.डी.ए. : 1960

(d) डब्ल्यू.टी.ओ. : 1995

Ans. (b) :

(a) IBRD- 1944 (ब्रेटनवुड्स सम्मेलन के पश्चात्) कार्य प्रारंभ - 1949

(b) IMF - 27 Dec. 1945, कार्य प्रारंभ 1 मार्च 1947

(c) IDA - 24 Sep. 1960

(d) WTO- 1 January, 1995

40. किस आधार पर 'संरक्षण शुल्क' लगाया जाता है?

(a) उद्देश्य के आधार पर

(b) देशानुसार विभेद के आधार पर

(c) प्रतिशोध के आधार पर

(d) पसंदगी के आधार पर

Ans. (a) : उद्देश्य के आधार पर 'संरक्षण शुल्क' लगाया जाता है। संरक्षण शुल्क लगाने का मुख्य उद्देश्य घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतियोगिता से बचाना होता है। इसके अन्तर्गत आयातों पर शुल्क व घरेलू उद्योगों को सब्सिडी प्रदान की जाती है। इसके पक्ष में सर्वाधिक प्रबल मत 'शिशु-उद्योग तर्क' है, जिसे हैमिल्टन ने प्रस्तुत किया तथा फ्रैडरिक लिस्ट ने 1885 में लोकप्रिय बनाया।

41. करारोपण का निम्नलिखित में से किस पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा?

(a) कार्य करने तथा बचत करने की योग्यता

(b) कार्य करने तथा बचत करने की इच्छा

(c) आय के वितरण में असमानताओं को कम करना

(d) रोजगार में वृद्धि

Ans. (c) : करारोपण का अनुकूल प्रभाव यह है कि करारोपण आय के वितरण में असमानताओं को कम करता है।

42. किस दशा में कर विवर्तन संभव नहीं है?

(a) बिक्री कर

(b) वस्तु एवं सेवा कर

(c) मनोरंजन कर

(d) उत्पाद कर

Ans. (*) : बिक्री कर, वस्तु एवं सेवा कर (GST), मनोरंजन कर व उत्पाद कर अप्रत्यक्ष कर है। चूंकि अप्रत्यक्ष कर का विवर्तन संभव है। इस प्रकार विकल्प में सभी अप्रत्यक्ष कर है, अतः इनमें से कोई विकल्प सही नहीं है।

43. किस अर्थशास्त्री ने सार्वजनिक व्यय को आय के आधार पर वर्गीकृत किया है?

(a) वैग्नर

(b) पींगू

(c) डाल्टन

(d) निकोलसन

Ans. (c) : सार्वजनिक व्यय को आय के आधार पर डाल्टन ने वर्गीकृत किया है। डाल्टन ने सार्वजनिक व्यय को आय के आधार पर तीन भागों में वर्गीकृत किया है-

1. **प्रतिगामी व्यय**- कम आय वर्ग को कम लाभ तथा अधिक आय वर्ग को लोकव्यय का अधिक लाभ।
2. **आनुपातिक व्यय**- आय के अनुपात में सार्वजनिक व्यय का लाभ।
3. **प्रगतिशील व्यय**- ऐसे सार्वजनिक व्यय, जिनका अधिकांश भाग निर्धन वर्ग को प्राप्त होता है।

⇒ वैगनर ने सार्वजनिक व्यय के संबंध में राज्य के बढ़ते हुए क्रिया-कलापों का सिद्धांत दिया।

44. वस्तु एवं सेवा कर की प्रकृति क्या है?

(a) यह एक बिक्री कर का प्रकार है

(b) जी.एस.टी. मूल्यवर्द्धित कर है

(c) यह एक अंतिम पड़ाव का कर है

(d) इसे प्रत्येक स्तर पर लगाया जाता है

Ans. (b) : भारत में वस्तु एवं सेवा कर 1 जुलाई, 2017 से लागू हुआ। GST 'एक देश-एक कर-एक बाजार' उद्देश्य को पूरा करता है। GST वस्तुओं और सेवाओं के उपभोग पर लगाया गया गंतव्य आधारित कर है। इसमें केवल मूल्य संवर्द्धन (Value Addition) पर ही कर लगाया जाएगा और कर का बोझ अंतिम उपभोक्ता द्वारा वहन किया जाएगा। अतः GST एक प्रकार से मूल्य वर्द्धित कर ही है।

45. पन्द्रहवें वित्त आयोग का अध्यक्ष कौन है?

(a) ए.के. चन्दा

(b) एन. के. सिंह

(c) वाइ.वी. रेड्डी

(d) के.सी. नियोगी

Ans. (b) : भारत के राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत नवम्बर, 2018 में 15वें वित्त आयोग का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष एन.के.सिंह है। 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियां 2020-2025 तक के लिए होगी। हालांकि भारत सरकार ने इसे बढ़ाकर 2021-26 कर दिया गया है।

46. एक अर्थव्यवस्था में 'टेक ऑफ स्टेज' का अर्थ है-

(a) सतत विकास प्रारंभ होता है

(b) अर्थव्यवस्था स्थिर हो जाती है

(c) अर्थव्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर होती है

(d) सभी नियंत्रण दूर हो जाते हैं

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans. (a) : प्रो0 रोस्टोव ने अपनी पुस्तक 'The stages of Economic Growth' में आर्थिक विकास की पांच अवस्थायें बतायी है-

1. **परम्परावादी अवस्था-** अधिकांश साधन कृषि व्यवसाय व उद्योग-धन्धे में लगे रहते हैं।
2. **आत्म-स्फूर्ति से पूर्व की अवस्था-** परम्परावादी विधियों को छोड़कर वैज्ञानिक विधियों एवं तकनीकों का प्रयोग प्रारंभ। पूंजी-निवेश की मात्रा 10% तक पहुँच जाती है।
3. **आत्म-स्फूर्ति अवस्था-** क्रांतिकारी परिवर्तन होते है और विकास होने लगता है।
4. **परिपक्वता की अवस्था-** स्वःप्रेरित विकास की अवस्था। पूंजी-निवेश 15 से 20 तक।
5. **अत्यधिक उपभोग की अवस्था-** आर्थिक विकास की अंतिम अवस्था।

47. निम्नलिखित में से कौन-सा एक आर्थिक विकास में बाधक नहीं है?

(a) बाजार की अपूर्णताएँ (b) उपभोग में प्रदर्शन प्रभाव
(c) व्यापार की अनुकूल शर्ते (d) निर्धनता का दुश्चक्र

Ans. (c) : बाजार की अपूर्णताएं, उपभोग में प्रदर्शन प्रभाव, निर्धनता का दुश्चक्र आर्थिक विकास में बाधक है, जबकि व्यापार की अनुकूल शर्ते किसी देश के आर्थिक विकास में बाधक नहीं है, बल्कि यह उस देश के विकास को बढ़ावा देती है, क्योंकि इससे देश का भुगतान संतुलन अनुकूल रहता है।

48. जब पूँजी की कीमत श्रम की कीमत की अपेक्षा अधिक हो, तो तकनीकी होनी चाहिए-

(a) पूँजी गहन (b) श्रम गहन
(c) स्थिर (d) मिश्रित

Ans. (b) : श्रम प्रधान तकनीक वह होती है, जिसमें उत्पादन कार्य में तुलनात्मक रूप से श्रम की अधिक मात्रा (श्रम सस्ता) और पूंजी की कम मात्रा (पूंजी मंहगी) का प्रयोग किया जाता है। इसे श्रम गहन तकनीक या पूंजी बचतकारी तकनीक भी कह सकते है इसके समर्थक अर्थशास्त्री नर्क्स, लुइस, कुजनेट्स, मायर एवं बोल्डविन तथा किण्डलबर्जर है।

पूंजी प्रधान वह तकनीक है, जिसमें सापेक्षिक रूप से पूंजी का अधिक और श्रम का कम प्रयोग किया जाता है।

49. जॉन रोबिन्सन के संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध है-

1. वास्तविक संवृद्धि दर से
2. संभावित संवृद्धि दर से
3. प्राकृतिक संवृद्धि दर से
4. अभीष्ट संवृद्धि दर से

कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 1, 3 और 4 (b) 2 और 4
(c) 1 और 2 (d) 3 और 4

Ans. (a) : रॉबिन्सन के संवृद्धि मॉडलों में संभाव्य वृद्धि दर (Potential growth rate) हैरॉड की प्राकृतिक दर के समान है। स्वर्ण युग में वास्तविक वृद्धि दर (G) तथा प्राकृतिक वृद्धि दर (Gn) एक दूसरे के बराबर होती है और अभीष्ट वृद्धि दर (Warranted growth rate) उनके अनुरूप होती है।

50. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत	1. हैरड तथा डोमर
B. असीमित श्रम आपूर्ति के साथ आर्थिक विकास	2. लीबिन्स्टीन
C. सतत विकास सिद्धान्त	3. जॉन रोबिन्सन
D. पूर्ण रोजगार संतुलन का स्वर्ण-युग	4. लेविस

Code/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	1	3
(c)	4	2	1	3
(d)	3	4	1	2

Ans. (b) :

(a)	क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत	2. लीबिन्स्टीन
(b)	असीमित श्रम आपूर्ति के साथ आर्थिक विकास	4 लेविस
(c)	सतत् विकास सिद्धांत	1. हैरॉड-डोमर
(d)	पूर्णरोजगार संतुलन का स्वर्ण युग	3 जॉन रॉबिन्सन

51. 'राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना' किस वर्ष प्रारंभ किया गया?

(a) 2004 (b) 2005
(c) 2006 (d) 2007

Ans. (b) : राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का प्रारंभ अप्रैल, 2005 में किया गया। यह योजना ब्याज सब्सिडी योजना, त्वरित ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम व कुटीर ज्योति कार्यक्रम का विलय करके शुरु की गई। इसके तहत वर्ष 2009 तक एक लाख गांवों का विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्तमान में इसे दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में शामिल कर दिया गया है।

52. प्रधानमंत्री द्वारा कब 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' घोषित किया गया?

(a) 22 जनवरी, 2015
(b) 25 सितम्बर, 2014
(c) 2 अक्टूबर, 2014
(d) 16 जुलाई, 2015

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans. (a) : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरुआत की गई। प्रारंभ में इसे देश के सबसे कम लिंगानुपात वाले 100 जिलों में लागू किया गया था, जिसे 8 मार्च, 2018 को राजस्थान के झुंझनू गांव से पूरे देश में लागू कर दिया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य लिंग आधारित भेदभाव को खत्म करके लिंगानुपात को ऊपर उठाना है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है।

53. हाल ही में जारी ग्लोबल बिजनेस रेजिलियेंस इंडेक्स 2017 में 130 देशों में से भारत का स्थान क्या था?

(a) 40 (b) 50
(c) 60 (d) 70

Ans. (c) : हाल ही जारी ग्लोबल बिजनेस रेजिलियेंस इंडेक्स, 2017 में 130 देशों में भारत का स्थान 60वां था। इस इंडेक्स में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः स्विट्जरलैण्ड, लक्जमबर्ग व स्वीडन है।

54. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कब प्रारंभ हुआ?

(a) मार्च 2004 (b) अप्रैल 2005
(c) दिसम्बर 2006 (d) फरवरी 2007

Ans. (b) : राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत 12 अप्रैल, 2005 को किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन परिवारों को पहुंचगम्य, वहनीय और विश्वसनीय गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

55. भारत में ग्रामीण निर्धनता का आधारभूत कारण क्या है?

(a) अनावश्यक सामाजिक व्यय
(b) बेरोजगारी
(c) ऋण एवं महाजनों द्वारा शोषण
(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : भारत में ग्रामीण निर्धनता का आधारभूत कारण निम्नलिखित है-

1. अनावश्यक सामाजिक व्यय
2. बेरोजगारी
3. ऋण एवं महाजनों द्वारा शोषण

56. 2011 जनगणना रिपोर्ट के आधार पर भारत की नगरीय जनसंख्या में उत्तर प्रदेश में नगरीय जनसंख्या की हिस्सेदारी है-

(a) 9.3 % (b) 11.8 %
(c) 13.5% (d) 14.2%

Ans. (b) : जनगणना 2011 की रिपोर्ट के आधार पर उत्तर-प्रदेश में नगरीय जनसंख्या की हिस्सेदारी 11.8 % है।

57. भारत में निम्नलिखित में से किस मियाद के ट्रेजरी बिल प्रचलन में नहीं है?

(a) 91 दिन (b) 182 दिन
(c) 273 दिन (d) 364 दिन

Ans. (c) : ट्रेजरी बिल अल्पकालिक प्रतिभूतियां है, जिनके माध्यम से सरकार उधार लेती है। ट्रेजरी बिल का निर्गमन सरकार के लिए RBI द्वारा किया जाता है। भारत में 91 दिन, 182 दिन व 364 दिन मियाद के ट्रेजरी बिल प्रचलन में है। ट्रेजरी बिल छूट पर जारी किये जाते है और परिपक्वता के समय इन्हें अंकित मूल्य पर भुनाया जाता है।

58. शिशु मृत्युदर (IMR) में शिशु की अधिकतम आयु होती है-

(a) एक माह (b) छः माह
(c) बारह माह (d) साठ माह

Ans. (c) : किसी क्षेत्र में एक वर्ष में प्रति 1000 जीवित जन्मे शिशुओं की संख्या के अनुपात में एक वर्ष (12 माह) या उससे कम उम्र वाले मृत शिशुओं की संख्या को शिशु मृत्यु दर (Infant Morality rate) कहते है।

$$\text{IMR} = \frac{\text{1 वर्ष में शिशुओं की मौतों की संख्या}}{\text{1 वर्ष में जीवित जन्मों की संख्या}} \times 100$$

59. हरित खेती में सम्मिलित है-

(a) खाद्य फसलें, बागवानी एवं पुष्पकृषि पर जोर
(b) बागवानी तथा पुष्पकृषि पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कीटनाशकों तथा रासायनिक उर्वरकों से बचाव
(c) जैविक खेती एवं बागवानी पर जोर
(d) समेकित कीट प्रबंधन, समेकित पोषक पदार्थ आपूर्ति एवं समेकित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

Ans. (d) : हरित खेती के अंतर्गत समेकित कीट प्रबंधन, समेकित पोषक पदार्थ आपूर्ति एवं समेकित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को शामिल किया जाता है।

60. भारत में डॉलर-रुपए की विनिमय दर निर्भर करती है-

1. सरकारी नियंत्रण पर
2. माँग व पूर्ति के संतुलन पर
3. रिजर्व बैंक ऑफ इन्डिया की मौद्रिक नीति पर

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) केवल 2 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

Ans. (d) : भारत में मार्च, 1993 में प्रबंधित परिवर्तनीय विनिमय दर प्रणाली अपनायी गई, जिसमें विनिमय दर का निर्धारण बाजार की शक्तियों अर्थात् माँग एवं पूर्ति के द्वारा होता है परन्तु विनिमय दर में बहुत-अधिक उतार-चढ़ाव आता है तो RBI हस्तक्षेप करके उसे सामान्य स्तर पर लाने का प्रयास करता है इसके लिए RBI घरेलू और विदेशी वित्तीय बाजारों पर गहन नजर रखता है।